

औंधलो आरची ने क्या रे करे मारवाड़ी देसी भजन



औंधलो आरची ने क्या रे करे,
अरे पैली रे ऊपाई बाबो धरतरी,
पचे पवनाने पैणी,
ए पैली पैली नाम गुणेश रो,
[रिद्धि सिद्धी](#) आगल वौणी,
ए वरतन जोये वसतू वॉरीये हॉ हॉ,
ज्यों रे माय अवगुण नहीं आवे,
अणेचो नहीं आवे हो नाथजी।bd।

औंधलो आरची ने क्या रे करे,
क्या करे मुख रे माला,
ए गाफल तस्वीरों ने क्या करे,
घट में घोर अंधेरा,
ए वरतन जोये वसतू वॉरीये हॉ हॉ,
ज्यों रे माय अवगुण नहीं आवे,
अणेचो नहीं आवे हो नाथजी।bd।

ए काचरे घड़े नीर ना ठंवे,
काचे कागद में पारा,
ए बुगलो मोतीड़ों नें क्यारे करे,
मोतीड़ा हंचलों रा चारा,
ए वरतन जोये वसतू वॉरीये हॉ हॉ,
ज्यों रे माय अवगुण नहीं आवे,
अणेचो नहीं आवे हो नाथजी।bd।

ए अरे बिनारे दीपक रा कैसा,
कैसा त्राटी रे ताला,
ए बिना रे किरीया योगी कैसा,
ज्योंरे मौय नीर भरीया खारा,
ए वरतन जोये वसतू वॉरीये हॉ हॉ,
ज्यों रे माय अवगुण नहीं आवे,
अणेचो नहीं आवे हो नाथजी।bd।



किणविद आवेला पौना,
ए बाबो रे झूंगर पुरी बोलीया,
संतों सही कर लेणा,
ए वरतन जोये वसतू वॉरीये हॉ हॉ,
ज्यों रे माय अवगुण नहीं आवे,
अणेचो नहीं आवे हो नाथजी।bd।

गायक – जोग भारती जी ।
प्रेषक – प्रवीण वन गोस्वामी काठाड़ी ।
9660089438
